दैनिक भास्कर; भोपाल - 31 DEC 2010

राष्ट्रीय खेल अवार्ड साल की सबसे बड़ी उपलब्धि

खेल संवाददाता | भोपाल

प्रदेश ने वर्ष 2010 में कई खेल उपलब्धियां हासिल की। लेकिन राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन अवार्ड को सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में गिना जा रहा है। 29 अगस्त को राष्ट्रपति प्रतिभा पाटील ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन अवार्ड से नवाजा। इस अवसर उनके साथ प्रदेश के खेलमंत्री तुकोजीराव पवार भी साथ थे। यह अवार्ड मप्र को यहां पर संचालित 16 खेल अकादमियों की स्थापना व कुशल प्रबंधन के लिए मिला है।

मप्र में खासकर भोपाल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने 16 राज्य अकादमियां स्थापित की, जिनमें करीब 300 खिलाड़ी शामिल हैं। इन सभी खिलाड़ियों की भोजन, आवास, खेलकूद, प्रशिक्षण और प्रतियोगिता में हिस्सेदारी खेल विभाग की ओर से निशुल्क रहती है। वर्ष 2010 में यहां के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 19 पदक, राष्ट्रीय स्तर पर 96, और राज्य स्तर पर 67 पदक जीते हैं। इन्हीं उपलब्धियों से प्रभावित होकर केंद्रीय खेलमंत्रालय ने मप्र को देश का खेल माडल बताया और राष्ट्रीय खेल अवार्ड से अलंकृत किया।

सात खिलाड़ी पहुंचे एशियाड : मप्र राज्य अकादमियों के सात खिलाड़ियों का चयन नवंबर माह में चीन के ग्वांगझू में खेले गए एशियाड के लिए हुआ। यह खिलाड़ी वहां पर खास प्रदर्शन तो नहीं कर पाए लेकिन भारतीय दल में अकादमी के सात खिलाड़ियों का चयन ही बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इसी के साथ ओलिंपिक कांस्य विजेता पहलवान सुशील कुमार और 1983 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य मदन लाल का अकादमियों में चीफ कोच के रूप में जुड़ना भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहा है। भोपाल में सात-आठ साल बाद औबेदुल्ला गोल्ड कप हाकी टूर्नामेंट का भव्य आयोजन भी किसी से छिपा नहीं। इस टूर्नामेंट ने भी देश में काफी सुर्खियां बटोरी थी।

राष्ट्रीय खेल अवार्ड प्राप्त करते मुख्यमंत्री। फाइल फोटो

वर्ष 2010 की खास उपलब्धियां

- **राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन अवार्ड**
- **कामनवेल्थ** जूडो में मप्र को रजत
- **कामनवेल्थ** फेंसिंग में भी रजत पदक
- **सैफ** गेम्स में पांच पदक
- **सात खिलाड़ियों** का एशियाड में चुना जाना और कामनवेल्थ गेम्स में भी प्रदेश के खिलाड़ियों का चमकदार प्रदर्शन। खासकर शिवेंद्र सिंह ने पाक के खिलाफ हाकी मैच में गजब का प्रदर्शन किया।
- **एशियन** रोइंग में स्वर्ण पदक
- **प्रतिष्ठित** औबेदुल्ला गोल्ड कप हाकी टूर्नामेंट का सफल व भव्य आयोजन
- **मप्र** राज्य बैडमिंटन अकादमी की स्थापना और उससे पुलैला गोपीचंद का जुड़ना।
- **खेल** दिवस पर प्रदेश के विक्रम अवार्डी खिलाड़ियों को शासकीय नौकरी प्रदान करना।
- **सुशील** और मदनलाल का मप्र की अकादमियों से जुड़ना।